`मां लक्ष्मी का धाम् ...`

वर्ष-10 अंक-09 पृष्ठ 08 मूल्य : ४.०० रुपए मात्र संपादक: दिनेश सिंह
RNI No. MAHHIN 2015/65092 Email:dinesh.singh2879@gmail.com

मुंबई मेरी माँ

मुंबई, सितंबर 2025

सोसायटी 25 हजार रुपये से अधिक नहीं ले सकती : बॉम्बे हाई कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि वेलफेयर फीस अधिक रकम वसूलने का बहाना

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि हाउसिंग सोसायटी मेंबरशिप ट्रांसफर फीस के रूप में 25 हजार रुपये से अधिक नहीं ले सकती है। मुंबई की एक सोसायटी के दो लोगों को मेंबरशिप न देने के आदेश को खारिज कर कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। वेलफेयर फीस न देने पर दुकान खरीदने वाले दो लोगों को सोसायटी ने सदस्यता नहीं दी थी। जस्टिस एन.जे जमादार ने कहा कि वेलफेयर फीस मेंबरशिप ट्रांसफर के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक रकम वसूलने का बहाना है। कानून में ट्रांसफर फीस के अलावा कोई भी राशि वसूलने पर रोक लगाई गई है। दो लोगों ने तीर्थंकर दर्शन को-ऑपरेटिव सोसायटी में दुकान खरीदी थी। दोनों ने ट्रांसफर फीस और आवेदन शुल्क का भुगतान किया था। मगर सोसायटी ने उनके नाम पर मेंबरशिप ट्रांसफर करने से इनकार कर दिया था। सोसायटी ने दावा किया था कि दोनों ने मेंबरशिप के निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया है। शर्तों के तहत वेलफेयर फीस देना जरूरी है। इस संबंध में सोसायटी की जनरल बॉडी मीटिंग में प्रस्ताव पारित किया है। दोनों सदस्यों ने सदस्यता के लिए निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया था, इसलिए उनके सदस्यता के आवेदन पर विचार नहीं किया गया था।

मुलुंड पुलिस स्टेशन में दो बिल्डरों के खिलाफ मामला दर्ज ; बुजुर्ग महिला से 2.5 करोड़ रुपये की ठगी

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस के साइबर सेल ने जलगांव से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर एक 72 वर्षीय महिला को ''डिजिटल अरेस्ट'' करके उससे लगभग 1.25 करोड़ रुपये ठगने वाले जालसाजों की मदद करने का आरोप है।

रोहित सोनार और हितेश पाटिल नाम के इन आरोपियों ने अपने बैंक खातों का इस्तेमाल जालसाजों को पैसे भेजने के लिए करने दिया। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि 18 अगस्त को महिला को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया और उसने खुद को ''पुलिस उपायुक्त संजय अरोड़ा'' बताया। अधिकारी ने बताया कि फोन करने वाले शख्स ने महिला पर धन शोधन जैसे गंभीर अपराधों में शामिल होने का आरोप लगाया और उन्हें पैसे देने या परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा।

घबराई महिला से लगभग 1.25 करोड़ की ठगी

उन्होंने बताया कि घबराई महिला ने लगभग 1.25 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में भेज दिये हालांकि रुपये भेजने के बाद उन्हें पता चला कि कोई आधिकारिक जांच नहीं हो रही है, जिसके बाद उन्होंने साइबर प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

अधिकारी ने बताया कि पुलिस को पता चला कि राशि का एक हिस्सा रोहित सोनार के खाते में जमा किया गया था जबकि हितेश पाटिल ने खाते की जानकारी विदेश में बैठे साइबर जालसाजों के साथ साझा की थी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों ने विदेशी खातों में धनराशि भेजने में मदद के लिए कथित तौर पर कमीशन लिया था।

मुलुंड में विदेशी थीम पर बनेगा मुंबई का पहला बर्ड पार्क

18 प्रजातियों के 206 पक्षी मोहेंगे मन

मुंबई : मुलुंड में प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित बर्ड पार्क को लेकर बड़ा फैसला हुआ है. बीएमसी द्वारा नाहुर के एक भूखंड की भूमि आरक्षण में बदलाव के लिए शहरी विकास विभाग को भेजे गए प्रस्ताव को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है.

अब यह भूखंड औपचारिक रूप से ''बर्ड पार्क'' के लिए आरक्षित कर दिया गया है.मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया. मुलुंड के विधायक मिहिर कोटेचा के अनुरोध पर यह मुद्दा उठाया गया था. जनवरी 2024 में मुंबई चिड़ियाघर के निदेशक ने इस भूखंड के आरक्षण को बदलने का प्रस्ताव भेजा था.

बीजेपी विधायक मिहिर कोटेचा ने बताया कि पहले यह भूखंड गार्डन/पार्क के लिए आरक्षित था. मेरे अनुरोध के बाद बीएमसी ने सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने की प्रक्रिया सितंबर 2024 तक पूरी की. इसके बाद जनवरी 2025 में प्रस्ताव शहरी विकास विभाग को सौंपा गया और फरवरी में शहरी नियोजन निदेशक ने रिपोर्ट भेजी. सरकार ने 7 अप्रैल को आरक्षण बदलाव को अधिसूचित कर दिया.

मुलुंड पक्षी पार्क को 206 पक्षियों की प्रजातियां शामिल

यह प्रस्तावित बर्ड पार्क 17,958 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनेगा और यह भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं चिड़ियाघर का एक उप-केंद्र के रूप में कार्य करेगा. विधायक कोटेचा के प्रयासों के बाद बीएमसी ने बर्ड पार्क की योजना केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को भी भेज दी है.

विदेशी थीम पर बनेगा पार्क

बर्ड पार्क में एशियन जोन, अफ्रीकन जोन, ऑस्ट्रेलियन जोन और अमेरिकन जोन जैसे थीम-आधारित एनक्लोजर होंगे, जहां विभिन्न पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास के अनुसार रखा जाएगा. पार्क में कुल 206 पक्षी होंगे, जो 18 क्षेत्रीय, संकटग्रस्त और विदेशी प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करेंगे. इनमें रेड-ब्रेस्टेड पैराकीट, ब्लॉसम-हेडेड पैराकीट, वाइट पीकॉक, मालाबार ग्रे हॉर्नबिल, ब्लैक स्वान, ब्लैक मुनिया, गाला कॉकटू, शुतुरमुर्ग, क्राउनड पिजन और स्कार्लेट मकॉ जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं.

विधायक मिहिर कोटेचा ने कहा, ''भायखला चिड़ियाघर के बाद, मुलुंड बर्ड पार्क मुंबई और एमएमआर क्षेत्र में एक बड़ा पर्यटक आकर्षण बनेगा. उपनगरों और आसपास के इलाकों के निवासी कम दूरी में इस पार्क का आनंद ले सकेंगे. यह पक्षी प्रेमियों के लिए एक अनोखा अनुभव होगा. परिवारों, छात्रों और पर्यटकों के लिए यह एक शैक्षणिक और मनोरंजक स्थल बनकर उभरेगा.''

चिकनगुनिया, मलेरिया और डेंग के मरीज बढे

अलर्ट पर मनपा की स्वास्थ्य मशीनरी

घर-घर जाकर बुखार का सर्वेक्षण

बीमारी	साल 2024 (जनवरी से अगस्त)	साल 2025 (जनवरी से अगस्त)
मलेरिया	4021	5706
डेंगू	1979	2399
चिकनगुनिया	210	485
लेप्टोस्पायरोसिस	553	479
गैस्ट्रो	6933	57,744
हिपॅटायटीस (ए और इ)	662	810

मुंबई : मुंबई शहर व उपनगरों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों में वृद्धि हुई है. मानसूनी बीमारियों के बढ़ते मामले को देखते हुए स्वास्थ्य मशीनरी को अलर्ट कर दिया गया है.

कीटनाशक का छिड़काव, फॉगिंग और घर-घर सर्वेक्षण का काम बढ़ा दिया गया है. बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार अगस्त महीने में 10.6 लाख से ज्यादा घरों और 50.2 लाख लोगों को कवर करते हुए घर-घर जाकर बुखार का सर्वेक्षण किया गया था.

पिछले महीने मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. जुलाई और अगस्त के बीच मलेरिया के मामले 4,151 से बढ़कर 5,706 हो गए हैं. डेंगू के मामले 1,160 से बढ़कर 2,319 हो गए है. चिकनगुनिया के मामले दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 265 से 485 हो गए हैं. इसी तरह लेप्टोस्पायरोसिस के मामले भी 244 से बढ़कर 471 हो गए हैं. गैस्ट्रो के मामलों में वृद्धि देखी गई है. हेपेटाइटिस के मामले 613 से बढ़कर 810 हो गए हैं. कोविड-19 के मामले घटे हैं.

माई ने कहा था...

समय ही जीवन है। समय को बरबाद करना अपने जीवन को बर्बाद करने के समान है।

संपादकीय

जीएसटी की दो श्रेणियों की पैरवी

विपक्ष शासित आठ राज्यों ने वस्तु एवं सेवा कर अर्थात जीएसटी की दो श्रेणियां तय किए जाने की घोषणा पर जिस तरह सहमति जताई और साथ ही कुछ शर्तें भी आगे रख दीं, उससे फिलहाल यह अनुमान लगाना कठिन है कि आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में क्या होगा? इन राज्यों की ओर से कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने जीएसटी की दो श्रेणियां करने पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों की ओर से अपनी तीन मांगें रखी हैं। अच्छा होता कि इस संदर्भ में संबंधित राज्य जीएसटी काउंसिल की बैठक में अपनी बात रखते। क्या जीएसटी के दो स्लैब को लेकर विपक्ष शासित राज्यों के राजनीतिक दल और विशेष रूप से कांग्रेस श्रेय लेने की राजनीति कर रही है अथवा यह दिखाना चाहती है कि वह हर मामले में विरोध जताना जारी रखेगी?

कहना कठिन है कि क्या पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि राज्यों ने जीएसटी के मामले में कांग्रेस को अपना प्रतिनिधित्व सौंप दिया है? जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस जीएसटी की दो श्रेणियों की पैरवी करती रही है। क्या तब उसे इसके परिणामों और खासकर राजस्व में फौरी कमी आने का भान नहीं था? जीएसटी को जब सभी दलों की ओर से संसद में सहमति मिली थी तो उसे आर्थिक सुधार के मामले में एक मील के पत्थर की तरह देखा गया था और पक्ष-विपक्ष के दलों के रवैये को सराहा गया था, लेकिन बाद में राहुल गांधी संकीर्ण राजनीतिक कारणों से जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताने लगे। इससे इनकार नहीं कि जीएसटी में समय-समय पर अनेक बदलाव करने पड़े हैं और संभवतः उसकी दो श्रेणियां बनाए जाने के बाद भी यह सिलसिला कायम रहे, लेकिन आखिर ऐसा कौन सा कानून है, जिसमें समय के साथ कुछ फेरबदल करने की आवश्यकता नहीं होती? जीएसटी की दो ही श्रेणियां किया जाना समय की मांग है। बेहतर होता कि यह मांग और पहले पूरी हो जाती। अब तो इसमें बाधा नहीं खड़ी की जानी चाहिए। आर्थिक मामलों में दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता होती है।

इस आवश्यकता को क्षेत्रीय दलों को न सही, कम से कम कांग्रेस को तो समझना चाहिए और उसकी पूर्ति में सहायक भी बनना चाहिए। निश्चित रूप से सभी राज्यों को जीएसटी में सुधारों के मामले में अपने सुझाव देने और अपनी आशंका व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर अड़ंगा लगाने का काम नहीं किया जाना चाहिए। तब तो बिल्कुल भी नहीं किया जाना चाहिए, जब जीएसटी सुधारों से राष्ट्रीय हितों का संधान हो रहा हो और आम आदमी के साथ-साथ उद्योग जगत को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त इसके जरिये ट्रंप टैरिफ की चुनौती का सामना करने में भी आसानी होगी।

ज्योतिष विशयक अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें..
हरिओमजी महाराज (श्रीमद्भागवत कथा वाचक, ज्योतिषी, कर्मकांड मर्मज्ञ व सभी हिंदू धार्मिक कार्यों के ज्ञाता)
9323815210 / 9821058357 smhariomji@gmail.co

मेष

करियर व व्यापारः इस माह आपके कामकाज में तेजी आएगी। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में अचानक बड़ा लाभ होगा।

आर्थिक स्थितिः धन लाभ के नए स्त्रोत खुलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं।

परिवार व संबंधः परिवार में सुख-शांति रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से संबंध मधुर रहेंगे।

स्वास्थ्यः जोड़ों के दर्द और सिरदर्द की समस्या हो सकती है, पर बड़ी परेशानी नहीं होगी।

शुभ अंकः 3 शुभ रंगः लाल

वृषभ

करियर व व्यापारः कार्यक्षेत्र में आपके मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। साझेदारी में किया गया काम लाभ देगा।

आर्थिक स्थितिः निवेश से लाभ होगा। घर-गाड़ी खरीदने का योग बन रहा है।

परिवार व संबंधः घर में सुखद वातावरण रहेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। प्रेम जीवन बेहतर होगा।

स्वास्थ्यः पेट और पाचन तंत्र पर ध्यान दें। हल्का भोजन करें।

शुभ अंकः 6 शुभ रंगः हरा

मिथुन

करियर व व्यापारः नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई नौकरी मिल सकती है। व्यापार में भागीदारी से फायदा होगा।

आर्थिक स्थितिः पुराने अटके हुए पैसे की प्राप्ति होगी। खर्च पर नियंत्रण रखें।

परिवार व संबंधः भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और तालमेल रहेगा।

स्वास्थ्यः छोटी-मोटी यात्रा में थकान और मानसिक तनाव रह सकता है।

शुभ अंकः 5 शुभ रंगः पीला

कर्क

करियर व व्यापारः व्यवसाय में लाभ के अवसर रहेंगे। सरकारी कामकाज में सफलता मिलेगी। नौकरी में नई जिम्मेदारियाँ आएँगी।

आर्थिक स्थितिः खर्च बढ़ सकते हैं लेकिन साथ ही आय भी बढ़ेगी।

परिवार व संबंधः परिवार में मांगलिक कार्य होगा। माता-पिता से सहयोग मिलेगा।

स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पुराने रोगों में सुधार होगा।

शुभ अंकः 2 शुभ रंगः सफेद

सिंह

करियर व व्यापारः नौकरी बदलने का योग है। नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और काम में नाम व प्रसिद्धि मिलेगी।

आर्थिक स्थितिः निवेश से लाभ होगा। फिजूलखर्च से बचें।

परिवार व संबंधः परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

स्वास्थ्यः मौसम परिवर्तन से सर्दी-जुकाम हो सकता है।

शुभ अंकः 1 शुभ रंगः सुनहरा

कन्या

करियर व व्यापारः यह माह आपकी योजनाओं को सफल बनाने वाला होगा। नौकरीपेशा जातकों को सम्मान मिलेगा।

आर्थिक स्थितिः आय में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

परिवार व संबंधः परिवार में प्रेम और सामंजस्य रहेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।

स्वास्थ्यः ऊर्जा बनी रहेगी। योग और ध्यान से लाभ मिलेगा।

शुभ अंकः 7 शुभ रंगः नीला

तुला

करियर व व्यापारः विदेश यात्रा या विदेश से काम का अवसर मिलेगा। नौकरी में तरक्की होगी।

आर्थिक स्थितिः इस महीने धन की प्राप्ति होगी। शेयर या निवेश से लाभ हो सकता है।

परिवार व संबंधः दांपत्य जीवन में खुशियाँ बढ़ेंगी। संतान से सुख मिलेगा।

स्वास्थ्यः मानसिक शांति बनी रहेगी, पर आँखों का ध्यान रखें।

शुभ अंकः 4 शुभ रंगः गुलाबी

वृश्चिक

करियर व व्यापारः कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। प्रतियोगिता में सफलता के योग हैं।

आर्थिक स्थितिः पैसों का लेन-देन सोच-समझकर करें। जल्दबाजी में नुकसान संभव।

परिवार व संबंधः मित्रों और भाइयों से सहयोग मिलेगा। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

स्वास्थ्यः गुस्से और तनाव से बचें। हृदय का ध्यान रखें।

शुभ अंकः 9 शुभ रंगः गहरा लाल

धनु

करियर व व्यापारः शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। व्यापार में बड़ा अनुबंध मिलेगा।

आर्थिक स्थितिः भाग्य का साथ मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा।

परिवार व संबंधः परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे। प्रेम संबंध और मजबूत होंगे।

स्वास्थ्यः सेहत अच्छी रहेगी। यात्रा के दौरान सावधानी रखें।

शुभ अंकः 8 शुभ रंगः बैंगनी

मकर

करियर व व्यापारः जमीन-जायदाद से लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और सम्मान मिलेगा।

आर्थिक स्थितिः इस माह अच्छा धन लाभ होगा। निवेश लाभकारी रहेगा।

परिवार व संबंधः परिवार में पुराना मनमुटाव दूर होगा। मित्रों का साथ मिलेगा।

स्वास्थ्यः सेहत में सुधार होगा। पुरानी बीमारी से राहत मिलेगी।

शुभ अंकः 10 शुभ रंगः काला

कुंभ

करियर व व्यापारः नए कामों की शुरूआत के लिए शुभ समय है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिलेगा।

आर्थिक स्थितिः अचानक धन लाभ होगा। व्यापार में मुनाफा बढ़ेगा।

परिवार व संबंधः पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। संतान से प्रसन्नता होगी।

स्वास्थ्यः सामान्य रूप से ठीक रहेंगे, पर अधिक थकान से बचें।

शुभ अंकः 11 शुभ रंगः आसमानी

मीन

करियर व व्यापारः कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी। धार्मिक व आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

आर्थिक स्थितिः धन की आवक होगी। दान-पुण्य में खर्च हो सकता है।

परिवार व संबंधः परिवार में धार्मिक माहौल रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

स्वास्थ्यः मानसिक शांति मिलेगी। योग और ध्यान से लाभ होगा।

शुभ अंकः 12 शुभ रंगः समुद्री हरा

AAWAZ INTELLIGENCE FORCE
Security Services & Housekeeping Facilities
Contact: Abhishek Singh - Mobile: 908 268 4098/ 983 324 8680 Email- abhishekaif1753@gmail.com

चांद और मंगल पर भी होगा अपना आशियाना

इसरो दे रहा सपनों को नई उड़ान, 2047 तक चांद पर क्रू स्टेशन और चार दशक में मंगल पर मानव बस्ती का रोडमैप तैयार

नई दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आने वाले 40 वर्षों के लिए महत्वाकांक्षी खाका तैयार किया है। इस रोडमैप में मंगल ग्रह पर उडी प्रिंटेड घर बनाना, इंसानों को मंगल पर उतारना, चांद पर खनन करना और वहां इंसानने ठिकाना बनाने जैसी बड़ी योजनाएँ शामिल हैं। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर इसे

अंतिम रूप दिया गया है।

चांद पर टिकाना और खनन की योजना : रोडमैप के मुताबिक, 2047 तक चांद पर रहने लायक ठिकाना बनाया जाएगा। यहाँ खनिज व संसाधनों की खुदाई हो सकेगी। चांद की सतह पर चलने वाले मानक्युक्त बाहन काम करेंगे। चांद पर ईंधन भंडारण केंद्र बनाए जाएंगे।

पीएम मोदी का मिशन अंतरिक्ष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2023 में अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजनाओं के बारे में बताया था। उन्होंने 2025 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री को उतारने का लक्ष्य दिया था। साथ ही प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों से मानवता के लाभ के लिए ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए गहरे अंतरिक्ष की खोज की योजना बनाने के लिए भी कहा है।

लद्दाख में तैयार है मिनी मंगल

इसरो ने लद्दाख के त्सो कर घाटी में हिमालयन आउटपोस्ट फार प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन होप) की स्थापना की है। ये जगह समुद्र तल से 4530 मीटर की ऊंचाई पर है और यहां अत्यधिक ठंड, कम आक्सीजन और सूखा वातावरण चांद और मंगल जैसी परिस्थितियों का आभास कराते है। भविष्य के चंद्र और मंगल मिशनों के लिए जीवन-रक्षक प्रणालियों और तकनीकों का परीक्षण करने के लिए यहां पिछले दिनों 10 दिन का हाई एल्टीट्यूड एनालाग मिशन चलाया। अंतरिक्ष मिशन पर जानेवालों को भविष्य में यहां उस माहौल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

एलन मस्क का लक्ष्य भी तीन दशक

पिछले साल स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने मंगल पर मानव बस्तियां बसाने के बारे में बड़ा दावा किया था। उनका कहना था कि अगले 30 वर्षों में इंसान मंगल ग्रह पर रहने लगेगा। उन्होंने ये दावा पूरी तरह से रीयूजेबल राकेट बनाने के बाद किया था। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था- मंगल पर पांच साल से भी कम में बिना चालक वाला मिशन, जमीन पर लोगों को उत्तारने में 10 साल का मिशन, 20 वर्षों में एक बस्ती लेकिन निश्चित रूप से 30 वर्षों में एक सभ्यता के रहने की शुरूआत हो सकती है। उन्होंने कहा था कि अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावना पैदा हो जाने से मनुष्य का लाइफस्पैन बढ़ जाएगा।

बीएमसी की शर्तों पर सेवाएं देने को तैयार नहीं ठेकेदार

एमआरआई से लेकर कैथ लैब तक की शर्तों में ढील देने की मांग

मुंबईः बीएमसी ने अपने उपनगरीय अस्पतालों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर ब्लड बैंक, कैथ लैब, एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी उन्नत सेवाओं के लिए टेंडर निकाले हैं। लेकिन, प्री-बिडिंग बैठक में कई ठेकेदारों ने कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों पर आपत्तियां जताईं, जिसके चलते बीएमसी को टेंडर की अवधि बढ़ानी पड़ी है। साथ ही, कुछ शर्तों को शिथिल करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है।

बता दें कि बीएमसी ने ''सिविक हेल्थ कॉलैबोरेशन'' के तहत 6 उपनगरीय अस्पतालों में ब्लड बैंक, 3 अस्पतालों में कैथ लैब, 4 अस्पतालों में एमआरआई और सीटी स्कैन, 5 अस्पतालों में डायलिसिस सेंटर और 7 अस्पतालों में सोनोलॉजी पीपीपी के अंतर्गत शुरू करने के लिए 7 अगस्त को टेंडर जारी किया था, जिसकी अंतिम तारीख 28 अगस्त थी, लेकिन इन टेंडर में कई शर्तें ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना ठेकेदार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा है।

स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्री-बिड मीटिंग में कई मुद्दों को लेकर चर्चा हुई और कुछ शर्तों में ठेकेदारों ने आपत्ति जताई। बीएमसी से उसमें बदलाव या शिथिल करने की मांग की है। ठेकेदारों ने मीटिंग में कहा कि टेंडर में एमआरआई जांच के लिए

श्री टेस्ला मशीन अनिवार्य की गई है, जबकि यह मशीन काफी महंगी है।

और बीएमसी के तय रेट पर उनकी लागत भी पूरी नहीं वसूल हो पाएगी। उन्होंने यह भी हवाला दिया गया कि बीएमसी के मेडिकल कॉलेजों में 1.5 टेस्ला मशीन का ही इस्तेमाल हो रहा है जो बीमारियों के निदान करने में सक्षम है। इसलिए, श्री टेस्ला मशीन की शर्त हटाने की मांग की गई है।

कैथ लैब शुरू होने बेहद जरूरीः एंजियोग्राफी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग बीएमसी के मेडिकल कॉलेज पर ही निर्भर है। ऐसे में बोरीवली भगवती, बांद्रा भाभा और कुर्ला भाभा में कैथ लैब शुरू होने से मेडिकल कॉलेज पर से भार कम होगा और उपनगर में रहने वाले लोगों को घर के समीप उक्त सेवा मिलेगी, ऐसे में जितनी जल्दी सेवा शुरू होगी उतना ही गरीब वर्ग को लाभ मिलेगा क्योंकि इसमें सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत उपचार मिलेगा।

ठेकेदारों ने उठाए कई सवाल

वहीं, ब्लड बैंक विथ कंपोनेंट सेपरेशन के लिए फूड ऐंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के नियमों के तहत पर्याप्त जगह उपलब्ध न होने की समस्या सामने आई है। इस पर बीएमसी अब अतिरिक्त जगह उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। कैथ लैब को लेकर ठेकेदारों का कहना है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से भुगतान मिलने में समय लगता है, जिससे आर्थिक दिक्कतें बढ़ सकती है। वहीं, सोनोग्राफी के लिए बीएमसी ने 24 घंटे सेवा देने की बात कही है, लेकिन ठेकेदारों ने 24 घंटे के बजाय समय घटाने की मांग की है। यही कारण है कि बीएमसी ने टेंडर भरने की तारीख बढ़ाकर 18 सितंबर तक कर दी है। इस बारे में उपनगरीय अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. चंद्रकांत पवार ने बताया कि ठेकेदारों की सवालों और उनकी मांगों पर टेंडर की तारीख को बढ़ाया गया है।

घाटे का न हो सौदा

बीएमसी के टेंडर्स की शर्तें ऐसी है कि ठेकेदारों के लिए यह घाटे का सौदा हो सकता है, इसलिए ठेकेदार चाहते है कि बीएमसी थी टेस्ला के बजाये 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन की शर्त रखे। इस पर बीएमसी लगभग सहमत है। 24 घंटे सोनोग्राफी में भी ठेकेदारों को 3 शिफ्ट में डॉक्टर रखने होंगे, ऐसे में यह भी खचीर्ला होगा। टेंडर की तारीख बढ़ने के बाद इस मसले का हल निकलने की संभावना जताई जा रही है।

सात लाख घट गए रानी बाग के पर्यटक 2024-25 में पर्यटकों की संख्या में कमी, अब नहीं रहा पसंदीदा पर्यटन स्थल

मुंबईः मुंबई के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक वीर माता जीजाबाई भोसले प्राणी उद्यान (रानी बाग) आने वालों की संख्या में भारी कमी देखी गई है। बीएमसी द्वारा जारी पर्यावरण रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 के मुकाबले 2024-25 में रानी बाग घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में 7 लाख से अधिक की कमी आई है। इससे बीएमसी के राजस्व में भी कमी आई है। रानीबाग देश के सबसे बड़े प्राणी संग्रहालय में से एक है, यह लगभग 53 एकड़ में फैला हुआ है। 31 हुआ है। 31 मार्च 2025 तक रानीबाग में 10 नस्लों के कुल 75 प्राणी, 13 नस्लों के 256 पक्षी और 8

नस्लों के 56 जलीय प्राणी यानी कुल 387 जानवर हैं।

इस संबंध में बीएमसी गार्डन डिपार्टमेंट के उपायुक्त अजित कुमार आम्बी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया।

रानी बाग के विस्तार की योजना लटकी बीएमसी ने रानी बाग के विस्तार की योजना बनाई है, लेकिन यह योजना कई वर्षों से फाइलों में ही घूम रही है। रानीबाग के बगल में दो प्राइवेट कंपनियों की करीब 10 एकड़ जमीन पर रानीबाग के विस्तार की योजना है। लेकिन यह योजना राजनीतिक दबाव और भ्रष्टाचार के आरोप के कारण काफी समय से आगे नहीं बढ़ पाई है। रानी बाग के विस्तार के तहत विदेशी जानवरों के लिए बाड़ा बनाया जाएगा।

शेर और हाथी पिछले कई वर्षों से नहीं: 2017 में दक्षिण कोरिया से लाई गई पेंग्विन आकर्षण का केंद्र हैं। रानीबाग आने वाले ज्यादातर पर्यटक पेंग्विन देखने जरूर आते हैं। शेर और हाथी पिछले कई वर्षों से रानी बाग में नहीं हैं। इससे अब लोगों के बीच रानी बाग का आकर्षण धीरे-धीरे कम हो रहा है।

15 दिन पति और 15 दिन प्रेमी संग रहूंगी

10 बार आशिक के साथ भागी महिला का प्रस्ताव

रामपुर : रामपुर जिले के एक गांव में एक विवाहिता ने पंचायत में खड़े होकर ऐसा प्रस्ताव रखा जिसे सुनकर लोग सन्न रह गए. महिला ने साफ कहा कि वह महीने में 15 दिन पति के साथ और 15 दिन प्रेमी के साथ रहना चाहती है. इस अजीबो-गरीब समझौते का प्रस्ताव सुनते ही अब तक 10 बार अपने प्रेमी संग भाग चुकी है. अजीम नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती की शादी लगभग डेढ़ साल पहले पड़ोसी गांव के एक युवक के साथ हुई थी. शादी के कुछ ही महीनों बाद उसका टांडा क्षेत्र के एक युवक से प्रेम संबंध शुरू हो गया. युवती पहली बार अपने प्रेमी के साथ करीब एक साल पहले घर से भागी थी. उस समय पंचायत बैठी और विवाहिता को पति के घर वापस भेज दिया गया. लेकिन इसके बाद भी बीते एक वर्ष में महिला 9 बार प्रेमी संग भाग चुकी थी. हर बार पंचायत या पुलिस की मदद से उसे वापस लाया गया. आठ दिन पहले विवाहिता 10वीं बार घर से गायब हो गई. परेशान पति ने अजीम नगर थाने में गुहार लगाई.

पति ने कहा-अब तुम प्रेमी के साथ ही रहो

पति जब अपनी पत्नी को समझाने के लिए प्रेमी के घर पहुंचा तो वहां पंचायत बैठी. पंचायत में पति ने हाथ जोड़कर पत्नी से घर चलने की गुहार लगाई, लेकिन महिला ने सबके सामने'' अनोखा प्रस्ताव'' रख दिया. उसने कहा कि मैं दोनों के साथ रहना चाहती हूं. महीने के 15 दिन पति के घर और 15 दिन प्रेमी के घर बिताऊंगी. महिला का यह बयान सुनकर पंचायत में हड़कंप मच गया. पति ने निराश होकर कहा कि मुझे माफ करो, अब तुम अपने प्रेमी के साथ ही रहो.

मुंबई : नीता अंबानी ने एक हेल्थ केयर प्रोजेक्ट की घोषणा की...

2,000 बेड का मॉर्डन मेडिकल सिटी बनेगा

मुंबई : रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं सालाना जनरल मीटिंग में रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी ने एक हेल्थ केयर प्रोजेक्ट की घोषणा की. इसके तहत रिलायंस फाउंडेशन मुंबई के बीचों-बीच 2,000 बेड वाले एक मॉर्डन मेडिकल सिटी बना रहा है. नीता अंबानी ने बताया कि फाउंडेशन की ग्रामीण विकास पहलों ने इस साल 55,000 से अधिक गांवों में 15 लाख लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है.

नीता अंबानी ने कहा कि ग्रामीण विकास, शिक्षा, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में रिलायंस फाउंडेशन की पहल देश के कोने-कोने तक पहुंच रही हैं. उन्होंने कहा, ''यह केवल एक अस्पताल नहीं होगा, बल्कि भारत में हेल्थकेयर इनोवेशन का एक नया हब बनेगा. यहां अक से डायग्नोसिस किया जाएगा. एडवांस मेडिकल टेक्नोलॉजी, भारत ओर दुनिया के बेहतरीन डॉक्टर मिलकर यहां इलाज के ऊंचे मानकों को पूरा करेंगे.'' उन्होंने कहा कि यहां एक मेडिकल कॉलेज भी बनाया जाएगा ताकि भविष्य के डॉक्टर तैयार किए जा सकें.

उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में मुंबई स्थित सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल ने 33 लाख मरीजों का इलाज किया है और इसे भारत के अग्रणी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का दर्जा दिया गया है. उन्होंने कहा, अस्पताल अब अपने काम का विस्तार करते हुए जीवन नाम का नया विंग शुरू कर रहा है. यह खास तौर पर कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी के लिए होगा, जिसमें बच्चों के कैंसर इलाज (पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.

नीता अंबानी ने इस बात पर जोर दिया कि हमारा मिशन केवल क्षमता का विस्तार करना नहीं है, बल्कि विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा को हर भारतीय के लिए सुलभ और किफायती बनाना है. उन्होंने बताया कि रिलायंस फाउंडेशन की ग्रामीण विकास पहलों ने इस साल 55,000 से अधिक गांवों में 15 लाख लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है. इसमें जल सुरक्षा, खेती, मुछुआरा समुदायों को सशक्त बनाना और महिलाओं-बच्चों को सहारा देना शामिल है. उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य भारत के हर कोने में 1 करोड़ से ज्यादा बच्चों तक विश्वस्तरीय शिक्षा पहुंचाना है. उन्होंने जोर देकर कहा कि खेलों में जीवन बदलने की शक्ति है. उन्होंने बताया कि अपने 'सभी के लिए शिक्षा और खेल' कार्यक्रम के जरिए रिलायंस फाउंडेशन अब तक 2.3 करोड़ से ज्यादा बच्चों तक पहुंच चुका है.

झोपू प्राधिकरण की 22 सेवाएं अब ऑनलाइन

मुंबई : झोपड़पट्टीवासियों और हाउसिंग सोसायटियों के लिए राहत की खबर है। स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अब कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य सरकार ने एसआरए से जुड़ी 22 सेवाओं को ह्लआपला सरकारह्व पोर्टल से जोड़ दिया है। इसके जरिए झोपड़ा निवासी घर बैठे अपनी कई समस्याओं का ऑनलाइन समाधान कर सकेंगे।

सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस सुविधा से प्रक्रियाएं न सिर्फ आसान बल्कि पारदर्शी भी होंगी। अब एसआरए से संबंधित 22 सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है, जिनमें अनापत्ति प्रमाणपत्र, किराया भुगतान रिकॉर्ड, अन्य दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों की प्रमाणित प्रतियां शामिल हैं। झोपड़ा निवासी अब किराया भुगतान की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से झोपड़पट्टीवासियों, डेवलपर्स और हाउसिंग सोसायटियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे न केवल समय और मेहनत बचेगी, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा। सरकार का दावा है कि यह व्यवस्था पारदर्शिता बढ़ाएगी और झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजनाओं में तेजी लाएगी।

सेवाओं में शामिल

1 झुग्गीवासियों के बैंक खाते में किराए के भुगतान विवरण की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
2 प्रस्ताव के अनुसार जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
3 प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार जारी परिशिष्ट-श्क की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
4 भूमि अधिग्रहण के प्रस्तावों के अनुसार जारी राय की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
5 पीएपी फ्लैटों के आवंटन से संबंधित आदेशों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
6 बृहन्मुंबई सर्वेक्षण 2000 के लिए झुग्गीवासियों के पहचान पत्र का सत्यापन और जनगणना की रसीद
7 3-सी प्रस्ताव से संबंधित प्रस्ताव की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
8 सुविधाओं, किंडरगार्टन, सोसायटी कार्यालयों का कब्जा प्रदान करना
9 उपयोग में परिवर्तन
10 अधिभोग प्रमाण पत्र, अनुमोदित मानचित्रों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करना
11 झुग्गी पुनर्वास योजना में सहकारी आवास समितियों के पंजीकरण से संबंधित सेवाएं
12 अधिभोग प्रमाण पत्र प्राप्त होने के 5 वर्ष बाद फ्लैटों के हस्तांतरण से संबंधित सेवाएं
13 झुग्गीवासियों के मकान किराए से संबंधित शिकायतों के निपटारे के संबंध में
14 झुग्गीवासियों को फ्लैटों के आवंटन के लिए लॉटरी निकालना
15 की एक प्रति प्रदान करना डेवलपर द्वारा प्रस्तुत जीआईएस सीडी
16 परिपत्र संख्या 144 और 144 के अनुसार जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रदान करना
17 परिपत्र संख्या 144 और 144 के अनुसार जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रदान करना
18 परिपत्र संख्या 144 और 144 के अनुसार जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रदान करना
19 परिशिष्ट-2 के पारित होने के बाद फ्लैट आवंटन से पहले पात्र झोपड़ी धारक की मृत्यु होने की स्थिति में आवेदक को परिशिष्ट-2 की प्रमाणित प्रति प्रदान करना
19 सरकारी निर्णय संख्या 0810-पी.के. आर., 125-14, जोपस-दिनांक 15 मई 2018 के अनुसार झोपड़ी धारकों द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट-3 और परिशिष्ट-4 पर निर्णय लेना
19 सरकारी निर्णय संख्या 0810-पी.के. आर., 125-14, जोपस-दिनांक 15 मई 2018 के अनुसार अपात्र झोपड़ी धारकों द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट-3 और परिशिष्ट-4 पर निर्णय लेना 0810-पी.केआर, 96-2018, जोपस-दिनांक 16 मई 2019
20 आवेदक को परिशिष्ट-2 की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराना

मुंबई : पिछले साल हुई मारपीट का मामला फिर से सुर्खियों में;

महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

मुंबई : एक ओला ड्राइवर के साथ पिछले साल हुई मारपीट का मामला फिर से सुर्खियों में है। 24 वर्षीय पीड़ित ड्राइवर पर पार्क साइट इलाके में ऑडी कार मालिक ने कथित रूप से जानलेवा हमला किया था। हमले के परिणामस्वरूप उसकी रीढ़ की हड्डी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई और वह अब सामान्य जीवन जीने में असमर्थ है। ड्राइवर की स्थिति इतनी गंभीर है कि वह बिस्तर से उठ नहीं पा रहा है और न ही पहले की तरह काम कर सकता है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, क्योंकि घर की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। घटना के समय पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी और गवाह भी मौजूद थे। इसके बावजूद पार्क साइट पुलिस थाने के एक अधिकारी ने इसे ''गुस्से में की गई हरकत'' बताकर मामले को हल्का करने की कोशिश की।

इस मामले में महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया और पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। आयोग ने कहा कि वीडियो फुटेज और प्रत्यक्ष साक्ष्य मौजूद होने के बावजूद पुलिस ने उचित कार्रवाई नहीं की। महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने पुलिस विभाग की भूमिका पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह सामान्य झगड़े का मामला नहीं था, बल्कि गंभीर आपराधिक कृत्य था। किसी व्यक्ति को जान से मारने जैसी चोट पहुंचाना बड़ा अपराध है और इसमें पुलिस को तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए थे। आयोग ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है कि इतने ठोस सबूत होने के बावजूद कार्रवाई क्यों टाली गई। महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग ने कहा कि पीड़ित के मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है और इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

डॉक्टरों के अनुसार, पीड़ित को लंबे इलाज और महंगी दवाइयों की जरूरत है। परिवार इस खर्च को वहन करने में असमर्थ है। परिवार का कहना है कि यदि आरोपी के खिलाफ समय पर कार्रवाई की जाती और उचित मुआवजा दिलाया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन पीड़ित के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप के बाद अब परिवार को उम्मीद है कि आयोग के आदेशों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और उन्हें मुआवजा भी मिलेगा।

मामले में महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग की सख्त टिप्पणी से पुलिस विभाग पर दबाव बढ़ा है। आयोग ने कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों में लापरवाही मानवीय और कानूनी जिम्मेदारी दोनों के उल्लंघन के बराबर है। पीड़ित के परिवार और समाज के अन्य लोग न्याय की प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं। महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग के आदेशों के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कितनी सख्त होगी और पीड़ित को राहत और मुआवजा किस समय तक मिलेगा। इस घटना ने मुंबई में सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही को लेकर भी बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप आवश्यक है, ताकि पुलिस की निष्क्रियता से पीड़ितों को न्याय से वंचित न होना पड़े।

मुंबई : डोंगरी इलाके में 26 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या

मुंबई : डोंगरी इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 26 वर्षीय युवक अराफत मेहबूब खान की पीट-पीटकर और गला घोंटकर हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। डोंगरी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि डोंगरी इलाके में एक युवक खून से लथपथ और बेहोश हालत में पड़ा है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि मृतक की गर्दन पर गला घोंटने के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जो घटनास्थल पर साक्ष्य जुटा रही है।

मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि उसके भाई अराफत को अज्ञात लोगों ने बेरहमी से पीटा और गला घोंटकर हत्या कर दी। उसने शक जताया कि यह सुनियोजित वारदात हो सकती है। भाई के बयान के आधार पर डोंगरी पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है

घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में तनाव फैल गया। स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सटीक कारणों का पता चल सके। अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश या लूटपाट की नीयत हो सकती है, लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस को पहले से शिकायत मिली थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने इस दावे की जांच का भरोसा दिया है।

छात्रों से पहले तैयार हों शिक्षक

यूट्यूब और इंटरनेट मीडिया के इस दौर में अध्ययन और अध्यापन दोनों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। किताबों के बजाय अब यूट्यूब और इंटरनेट मीडिया पर ही सवालों के जवाब ढूंढ़े जा रहे हैं। ऐसे में आइए आइआइटी कानपुर के पूर्व पोफेसर एवं लेखक डा. एचसी वर्मा से जानते हैं कि शिक्षा को मनोरंजन बनाने के बजाय कैसे इसे मनोरंजक बनाया जाए....

कहते हैं ना, घर पर बच्चे की पहली टीचर उसकी मां होती है, लेकिन बाद में स्कूल के शिक्षक से वह जिंदगी का असल पाठ पढ़ता है। ऐसे में उसकी नजर में शिक्षक उसका आदर्श बन जाता है, जिसे देखकर वह अपने जीवन की नींव का निर्माण करता है। लेकिन यूट्यूब, एआइ और चैटजीपोटी के इस दौर में अब पठन-पाठन की दुनिया बदल गई है। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका में भी अब बदलाव की जरूरत है। आज भारत जैसे विशाल शिक्षा ढांचा वाले देश में भले ही बड़ी संख्या में स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थान हैं, लेकिन गुणवत्ता, पहुंच जैसी चुनौतियां भी सामने खड़ी हैं।

टेक्स्ट बुक ही अच्छा दोस्तः अब शिक्षा में भी चैटजीपीटी और एआइ हर कदम पर प्रयोग किए जा रहे हैं। आजकल विद्यार्थी किताबों में नहीं, यूट्यूब और इंटरनेट मीडिया पर सवालों के जवाब ढूंढ़ते हैं। विद्यार्थी किताबें पढ़ने से परहेज करने लगे हैं, उन्हें बोझिल समझते हैं। इससे टेक्स्ट बुक की एहमियत धीरे-धीरे कम होती नजर आ रही है, लेकिन किताबों में ज्ञान का जो सागर है, उसमें एक बार डूब जाने से कहीं और से

जानकारी हासिल करने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। अगर वे आज से ही अपनी टेक्स्ट बुक्स एकाग्रता के साथ पढ़ने लगे तो उन्हें कोई परेशानी नहीं आएगी। यदि विद्यार्थी चैटजीपीटी और एआइ का सहारा ले रहे हैं तो इसमें कोई बुराई भी नहीं है, लेकिन अगर वे इसमें अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने लगे और खुद प्रयास करना छोड़ देंगे तो आगे जाकर उनकी रचनात्मक शक्ति खत्म हो जाएगी।

तनाव न लेंः प्रतियोगिता के दौर में हर कोई एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में बस डिग्री, नंबर और सर्टिफिकेट के पीछे भाग रहा है और इसीलिए तनाव भी बढ़ता जा रहा है।

एग्जाम से पहले टेंशन, क्लास में फर्स्ट आने की टेंशन, अच्छी नौकरी का दबाव ये सारी चीजें विद्यार्थी के दिल और दिमाग को बोझिल कर देती हैं। वे पढ़ाई को बस नौकरी पाने का एक जरिया समझने लगते हैं और उसे अनुभव से नहीं जीते।

चिंतन करें, लक्ष्य पर रहें अडिगः क्लास के बाद विद्यार्थियों को हमेशा उस विषय पर गहरा चिंतन करना चाहिए, चिंतन करने से कई नई चीजें सामने आती हैं। बगैर सोचे-समझे किसी विषय पर पर्याप्त ज्ञान हासिल करना संभव नहीं है।

शिक्षण-प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता

समय के साथ अब भारत के शिक्षण-प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। अभी जिस रीति से ये ट्रेनिग्स करवाई जाती हैं, उसका आवार बसतथ्य संबंधित ज्ञान है। हमारे यूनिवर्सिटी सिस्टम में गड़बड़ी की वजह से शिक्षक ठीक तरह से तैयार नहीं हो पा रहे हैं। किताबी ज्ञानको प्रैक्टिकल अनुभव में नहीं उतार पाने की वजह से उनकी ट्रेनिंग अधूरी सी रहती है। इसीलिए जरूरी है कि यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण के दौरान ही टीचर्स को ऐसा विषय भी पढ़ाया जाए जो बाद में उनकी टीचिंग के दौरान काम आ सके। टीचर भी पहले खुद को तैयार करने पर ध्यान दे, तभी क्द्यार्थी भी तैयार हो सकेंगे।

शिक्षक सिखाएं सही चयन

इन दिनों यूट्यूब पर अलग-अलग फील्व और विषय से जुड़े वीडियोज उपलब्ध है। न जाने कितने लोग अधूरा ज्ञान लेकर दूसरों को सिखा रहे हैं। छात्र-छात्राएं घंटों यूट्यूब पर वीडियोज देखकर समय बिताते है, उनका मानना है कि इंटरनेट मीडिया से उन्हें आसानी से और कम वक्त में काफी जानकारियां मिल जाती है, लेकिन क्या यह सही है। क्या सभी यूट्यूबर प्रत्येक विषय के जानकार हैं... क्या विद्यार्थी यूट्यूब पर पढ़ाने वाले टीचर्स का बैकग्राउंड जानते है या सिर्फ उनके फालोवर्स और व्यूज देखकर ही उन्हें सुनने लगते हैं। ऐसे मौकों पर ही शिक्षक की जिम्मेदारी बनती है कि वे उन्हें सही मार्ग दिखाएं, उन्हें सही और गलत में चयन करना सिखाएं। यूट्यूब के सही कंटेंट को चुनने में उनकी मदद करें।

सही खान पान तन ही नहीं मन भी रखता है दुरुस्त

पौष्टिक भोजन और समयानुसार खानपान हर आयु वर्ग के लोगों के लिए अहमियत रखते हैं। सेहत का हर पक्ष भोजन से मिलने वाले सही पोषक तत्वों से ही जुड़ा होता है। बावजूद इसके इस विषय में अवेयरनेस की आज भी कमी है। लोगों में जागरुकता लाने के लिए ही हमारे यहां सितम्बर महीने को राष्ट्रीय पोषण माह के तौर पर मनाया जाता है। एक महीने तक चलने वाला यह कैम्पेन सही पोषण और स्वस्थ भोजन के महत्व के बारे में सजग करने की मुहिम है। 2024 के लिए नेशनल न्यूट्रिशन मंथ का थीम ''सभी के लिए पौष्टिक आहार'' है, जो जिंदगी की हर स्टेज पर लोगों की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाला आहार लेने को प्रोत्साहित करना है।

हमारे सोशल सिस्टम में सही पोषण और खानपान पर भी उम्र के पड़ाव का असर दिखता है। इतना ही नहीं, महिला-पुरुष का भेद भी नजर आता है। दूर-दराज के इलाकों में बेटे-बेटी को दिये जा रहे आहार की पौष्टिकता में भी फर्क होता है। बहुत से घरों में बुजुर्गों की अनदेखी भी दिख जाती है। ऐसे में ''सभी के लिए पौष्टिक आहार'' विषय सही खानपान को लेकर परिवार के हर सदस्य को सजग करने वाला है। उम्र के हर दौर में सेहतमंद रहने की सजगता बरतने का संदेश लिए है। यह जागरुकता आवश्यक भी है क्योंकि पोषणयुक्त भोजन जीवन सहेजने और कुपोषण जीवन छीनने तक का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं, भोजन में पोषक तत्वों की कमी ही बहुत सी बीमारियों की वजह बन जाती है। अमेरिका की चर्चित हॉलिस्टिक चिकित्सक, नैचुरोपैथ और रॉ फूड एडवाइजर ऐन विगमोर के अनुसार, ''आप जो भोजन खाते हैं वह दवा का सुरक्षित और सबसे शक्तिशाली रूप या जहर का सबसे धीमा रूप हो सकता है।'' यानी उचित पोषण लिए भोजन ही समग्र स्वास्थ्य की कुंजी है। जो जेंडर और आयु वर्ग से परे घर के हर सदस्य के लिए अहमियत रखता है।

''सभी के लिए पौष्टिक आहार'' विषय से जुड़ा एक अहम पक्ष खाने का सही रुटीन भी है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन अगर समय पर नहीं लिया जाय तो भी कोई अर्थ नहीं रह जाता। देर-सवेर खाना खाने की प्रवृत्ति से न केवल भोजन के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं बल्कि कई बार ठंडा-बासी खाना ही कई रोगों का कारण बन जाता है। मौजूदा लाइफस्टाइल में सही समय पर भोजन न लेना अपच और एसिडिटी जैसी कई समस्याओं का कारण है। देखने में आता है कि महिलाएं खाना-खाने के सही रुटीन को फॉलो नहीं कर पातीं। अपनी भागदौड़ के बीच सही समय पर भोजन करना उनकी प्राथमिकताओं में होना चाहिए। साथ ही महिलाएं यह भी समझें कि सही-संतुलित न्यूट्रिशन वाला भोजन शरीर और मन दोनों की सेहत संवारता है। जाने-माने अमेरिकी फिजीशियन और लेखक डॉ. मार्क हाइमन का कहना है कि ''ज्यादातर लोगों को यह अहसास नहीं कि भोजन केवल कैलोरी नहीं है, यह एक तरह की जानकारी है। भोजन में ऐसे संदेश होते हैं जो शरीर की प्रत्येक कोशिका से जुड़ते हैं।'' अपनी पसंद और उचित पोषण के मेल से बना खाना खाने की अनुभूति दुनिया के हर इंसान के लिए सुखद ही होती है। इसके साथ अगर भोजन का सही रुटीन भी जुड़ जाये तो फायदेमंद ही साबित होगा।

कुपोषण का कारण खाने की कमी या पोषक तत्वों की जानकारी न होना ही नहीं है। असंतुलित खानपान और भोजन की अधिक मात्रा का सेवन भी एक तरह का कुपोषण ही है। ओवरईटिंग भी एक ईटिंग डिसऑर्डर ही है। चिंतनीय है कि अब बच्चे हों या बड़े खाने की अति से जुड़ी यह गलती भी कर रहे हैं। जिसके चलते मोटापे की समस्या जड़ें जमा रही है जो कई स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ है। बिंज ईटिंग की आदत के जाल बच्चे ही नहीं बड़े भी फंस रहे हैं। बिंज ईटिंग यानि कम समय में बहुत ज्यादा मात्रा में भोजन खाना और ऐसा महसूस करना कि इंसान इसे चाहकर भी कंट्रोल नहीं कर पा रहा। ओवरईटिंग की यह आदत मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक सेहत को प्रभावित करती है। हरदम कुछ खाते रहने की जीवनचर्या लोगों को न्यूट्रीशियस डाइट्स को लेकर भी कुछ सोचने नहीं देती। कुछ साल पहले ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज रिपोर्ट में लगभग 500 वैज्ञानिकों द्वारा की गयी रिसर्च में सामने आ चुका है कि कम खाना खाने वाले लोगों से ज्यादा जरूरत से अधिक भोजन करने वालों के जीवन के साल घट रहे हैं।

जड़ों की ओर लौटें

नये-नये स्वाद और स्टाइल के साथ सब कुछ परोसते बाजार के इस दौर में न्यूट्रीशियस भोजन की सही समझ के लिए अपनी जड़ों की ओर लौटें। हमारे देश का परम्परागत खानपान आज सेहतमंद जीवन के लिए दुनिया में खूब चर्चित है। मशहूर लेखक माइकल पोलन कहते हैं कि '' ऐसा कुछ भी न खाएं जिसे आपकी परदादी भोजन के रूप में नहीं पहचानती हों। आज सुपरमार्केट में बहुत सारी खाने की या खाने जैसी चीजें हैं, जिन्हें आपके पूर्वज भोजन के रूप में नहीं पहचानते होंगे। इनसे दूर रहें। ''

पितृ पक्ष में भूलकर भी न करें ये गलती

वरना अधूरा रह जाएगा तर्पण और भुगतने पड़ सकते हैं गंभीर परिणाम

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में पितरों का विशेष स्थान माना गया है. पितृ पक्ष जिसे श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है, हर वर्ष भाद्रपद मास की पूर्णिमा के बाद से अश्विन मास की अमावस्या तक चलता है. इस वर्ष पितृ पक्ष 7 सितंबर 2025 से शुरू होकर अमावस्या के दिन समाप्त होगा. इन 15 दिनों को पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए अत्यंत शुभ और पवित्र माना गया है. ऐसा विश्वास है कि इस दौरान श्रद्धा भाव से किए गए कर्मकांड और भोग अर्पण से पितर प्रसन्न होते हैं और अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और आशीर्वाद प्रदान करते हैं. पितरों को प्रसन्न करने के लिए भोजन का विशेष महत्व है, और खासतौर पर उड़द की दाल को इस अवसर पर अनिवार्य रूप से शामिल करने की परंपरा रही है.

पूर्वजों के प्रति आभार और स्मरण का एक माध्यम

लोकल 18 के साथ बातचीत के दौरान पूजारी शुभम तिवारी ने कहा कि पक्ष में भोजन, अर्पण केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं है, बल्कि यह पूर्वजों के प्रति आभार और स्मरण का एक माध्यम है. शास्त्रों में वर्णित है कि जब हम पितरों को श्रद्धा भाव से भोग लगाते हैं, तो वे तृप्त होकर हमारी कठिनाइयों को दूर करने का आशीर्वाद देते हैं. इस समय उड़द की दाल का उपयोग विशेष रूप से आवश्यक माना गया है. उड़द की दाल का संबंध धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ आयुर्वेदिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी जुड़ा हुआ है. शास्त्रों में कहा गया है कि उड़द की दाल सात्विक भोजन की श्रेणी में आती है और यह आत्मा को शांति प्रदान करती है. पितरों के लिए तैयार किए गए भोजन में उड़द दाल से बने पकवान जैसे उड़द की दाल की पूरी, उड़द का हलवा, उड़द के बड़े या उड़द की खिचड़ी शामिल की जाती है. ऐसा करने से माना जाता है कि पितर तुरंत तृप्त होते हैं और प्रसन्न होकर अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं.

उड़द दाल से बने व्यंजन अर्पित करना शुभ फलदायी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार उड़द की दाल का संबंध पितरों से गहराई से जुड़ा हुआ है. यह दाल काली होती है और इसका रंग पितरों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है. यही कारण है कि श्राद्ध पक्ष में उड़द दाल से बने व्यंजन अर्पित करना शुभ फलदायी माना गया है. इसके अलावा उड़द दाल प्रोटीन और पोषण से भरपूर होती है, जो जीवन को ऊर्जा और स्वास्थ्य देती है. प्रतीकात्मक रूप से इसे अर्पित करने का अर्थ है कि हम अपने पितरों को पोषण और संतुष्टि प्रदान कर रहे हैं.

उड़द की दाल के व्यंजन के बिना अधूरा है तर्पण

श्राद्ध कर्म के दौरान उड़द दाल का प्रयोग केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह पितरों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है. समाज में यह मान्यता भी है कि यदि श्राद्ध पक्ष में उड़द की दाल से बने व्यंजन भोग में शामिल न किए जाएं, तो तर्पण अधूरा माना जाता है. इसलिए हर कोई अपनी सामर्थ्य के अनुसार उड़द दाल का पकवान बनाकर पितरों को अर्पित करता है.

ऐसे पहचानें अपने पितरों की नाराजगी

ये है उन्हें प्रसन्न कर आशीर्वाद पाने के उपाय

पितरों को लेकर बहुत से लोगों में हमेशा जिज्ञासा बनी रहती है। जैसे वे कौन हैं, या वे क्यों नाराज होते हैं, उनकी नाराजगी से क्या होता है। ये पितृ दोष क्या है ? यदि हमारे पितर हमसे नाराज हैं तो हमें कैसे मालूम चले की वे हमसे नाराज हैं और यदि वे नाराज हैं तो हम उन्हें कैसे प्रसन्न करें, आदि... इन्हीं सब बातों के संबंध में पंडित सुनील शर्मा का कहना है

कि पितृ हमारे पूर्वज हैं जिनका ऋण हमारे ऊपर है ,क्योंकि उन्होंने कोई ना कोई उपकार हमारे जीवन के लिए किया है। मनुष्य लोक से ऊपर पितृ लोक है,पितृ लोक के ऊपर सूर्य लोक है और इस से भी ऊपर स्वर्ग लोक है।

पितृ लोक में जाती है आत्मा

जानकारों का कहना है कि धर्मशास्त्रों के मुताबिक आत्मा जब अपने शरीर को त्याग कर सबसे पहले ऊपर उठती है तो वह पितृ लोक में जाती है। वहां हमारे पूर्वज मिलते हैं। अगर उस आत्मा के अच्छे पुण्य हैं तो ये हमारे पूर्वज भी उसको प्रणाम कर अपने को धन्य मानते हैं कि इस अमुक आत्मा ने हमारे कुल में जन्म लेकर हमें धन्य किया। इसके आगे आत्मा अपने पुण्य के आधार पर सूर्य लोक की तरफ बढती है।

यदि और अधिक पुण्य हैं तो आत्मा सूर्य लोक से स्वर्ग लोक की तरफ चली जाती है, लेकिन करोड़ों में भी शायद कोई आत्मा ही ऐसी होती है, जो परमात्मा में समाहित होती है, जिसे दोबारा जन्म नहीं लेना पड़ता यानि उसे मुक्ति मिल जाती है। मनुष्य लोक और पितृ लोक में बहुत सारी आत्माएं पुनः अपनी इच्छावश, मोहवश अपने कुल में जन्म लेती हैं।

अपने पितरों के प्रति आभार जताएं

किसी जीव या वनस्पति के स्वरूप और गुण-अवगुणों की पहचान के लिए उसके उद्गम, मूल परिवेश आदि की समुचित जानकारी आवश्यक है। उसी तरह किसी व्यक्ति के आचरण, स्वभाव, व्यवहार, मंसूबों और उसमें कितना दम-खम है, यह समझने में उसके वंश, घर-परिवार व आसपास से मिला परिवेश और पैतृक संस्कार आदि का योगदान रहता है। जैविक दृष्टि से प्रत्येक व्यक्ति एक सुदीर्घ आनुवंशिक श्रृंखला की विशेषताओं को समाहित किए उस श्रृंखला की अंतिम कड़ी है।

पुरखों से जुड़ाव व्यक्ति की अस्मिता का अटूट अंग है। यह जुड़ाव उसके जीने को अर्थ देता है, उसकी सोच को नए आयाम देने में सक्षम होता है। नैराश्य, विषाद या दुविधा के क्षणों में संबल देकर उसमें जान फूंकता है। पुश्तैनी रिश्तों के अथाह भावात्मक, आध्यात्मिक लाभों से वंचित व्यक्ति इनकी भरपाई का प्रयास उन छिटपुट देसी-विदेशी

संप्रदायों के माध्यम से करते देखे जाते हैं जिनसे वे जुड़ जाते हैं। किसी आध्यात्मिक पंथ से जुड़ने के उपरांत जीवन में खालीपन और अर्थहीनता पसरने तथा डिप्रेशन व अन्य मानसिक बीमारियों के आसार घटते हैं।

इन दिनों (भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से आश्विन की अमावस्या) चल रहा श्राद्धपक्ष पितरों से तादात्म्य बनाए रखने और उनके प्रति कृतज्ञता निभाने का अवसर है। हिंदुओं के अलावा चीनी, मूल अमेरिकी व कई अन्य समुदायों में भी मान्यता है कि मृत्यु के बाद जीव का अस्तित्व और परिजनों से उसका संबंध खत्म नहीं हो जाता। पुराणों के अनुसार श्राद्ध या पितृपक्ष के दौरान वे जीवित परिजनों के पास आते हैं, उन्हें मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

पुरखों की आराधना में अग्रणी चीनी मानते हैं कि मृतक की आध्यात्मिक शक्तियां बढ़ जाती हैं, वे देवतुल्य हो जाते हैं, जीवित परिजनों से संवाद करते हैं और उनके भाग्य और जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। पुराणों के अनुसार शरीर छोड़ने के बाद आत्मा पहले कुछ अवधि तक ''प्रेत'' रूप में विचरती है। उसमें मोह, माया, भूख-प्यास का बोध रहता है। संपिंडन के बाद वह पितरों में सम्मिलित होता है। श्राद्ध के दिनों में चूंकि पितर लौकिक संसार में आते हैं, वे अपनी संतति द्वारा प्रस्तुत प्रसाद ग्रहण कर सकते हैं। अनेक ऋणों में अहम पितृ ऋण चुकाने और उनकी कृपादृष्टि पाने का यह अनुकूल अवसर है। पितरों को तर्पण आदि देकर, उनकी शांति के लिए प्रार्थना-अर्चना से उन्हें तुष्ट किया जाता है। श्राद्धकर्म भली-भांति संपन्न न किए जाने से भावी संततियों के मन और शरीर से विकृत या अक्षम होने का उल्लेख है।

श्राद्ध के परालौकिक संदर्भ से इतर इसका महत्वपूर्ण पक्ष कृतज्ञता भाव का संवर्धन है। जिस हृदय में सेवा और कृतज्ञता के बदले अधिकार और दूसरों से अपेक्षाएं घर कर जाएं उसका पतन निश्चित है। आपने जो भी हासिल किया, आप जहां पहुंचे, उस यात्रा में अनेक व्यक्तियों, संस्थाओं का हाथ रहा। ओपरा विनफ्रे ने कहा, ''जो आपको मिला उसके प्रति कृतज्ञ रहेंगे तो ढेर सारा मिलेगा। कृतज्ञता का विचार सहेजने से दिल को बंधित रखते दुराव, वैमनस्य जैसे नकारात्मक भाव स्वतः नष्ट हो जाएंगे।'' जॉर्ज कोलमैन ने कहा, ''उस पुल का अहसान समझें जिसने आपको पार लगाया।''

नवरात्रि में इस तरीके से करें मां दुर्गा की पूजा, जानें मुहूर्त, पूजन सामग्री

आप सभी को पता है कि देशभर में नवरात्रि बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है. इस साल शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, 2025 सोमवार को बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाएगा. मां दुर्गा का ये पर्व 9 दिनों तक चलता है.

इस साल नवरात्रि का समापन 1 अक्टूबर (महानवमी) को होगा. महानवमी के बाद अगले दिन यानी 2 अक्तूबर, 2025 को विजयादशमी या दशहरा मनाया जाएगा.

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना (कलश स्थापना)के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 09 मिनट से लेकर 8 बजकर 06 मिनट तक रहेगा. हिंदू पंचांग के अनुसार, दोपहर में घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त 11 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक रहेगा.

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, सोमवार को नवरात्रि प्रारंभ होने पर मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होता है, जिसे बहुत ही शुभ और कल्याणकारी माना जाता है. इस दिन

हस्त नक्षत्र का संयोग बन रहा है.

शारदीय नवरात्रि पूजन सामग्री

लाल या पीला कपड़ा, अक्षत, रोली, हल्दी, कुमकुम, दीपक, घी, बाती, माचिस, धूपबत्ती, अगरबत्ती, नारियल, सुपारी, फूल, पान के पत्ते, कलावा, माता की चुनरी, मिठाई और भोग इत्यादि की जरूरत होगी.

साथ ही कलश स्थापना के लिए मिट्टी का पात्र (जौ बोने हेतु), शुद्ध मिट्टी और जौ या गेहूं के बीज, कलश, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल, लाल वस्त्र, मौली, सुपारी, सिक्का, हल्दी का इस्तेमाल किया जाएगा.

नवरात्रि पूजा का नियम

इस दिन कलश स्थापना करने के बाद 9 दिनों तक सुबह-शाम पूजन करें. कलश के पास घी का दीपक जरूर जलाएं. उसके बाद दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा या अन्य स्तोत्रों का पाठ करें.

गज पर आएंगी मां दुर्गा; अष्टमी 30 सितंबर और एक अक्तूबर को नवमी

शारदीय नवरात्र इस बार 10 दिन का होगा। चतुर्थी तिथि में बढ़ोतरी होने के कारण नौ के बजाय 10 दिनों तक शक्ति की आराधना भक्त करेंगे। नवरात्र की शुरूआत 22 सितंबर से हो रही है। अष्टमी का व्रत 30 सितंबर को और महानवमी एक अक्तूबर को मनाई जाएगी। दो अक्तूबर को माता को विदाई दी जाएगी।

बीएचयू के ज्योतिष विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि शारदीय नवरात्र इस बार 10 दिनों का होगा और 11वें दिन विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र की शुरूआत हो रही है।

प्रतिपदा की शुरूआत भोर में 1:25 बजे होगी और अगले दिन मध्यरात्रि के बाद 2:57 बजे तक रहेगी। चतुर्थी तिथि 25 और 26 सितंबर को रहेगी। दो दिन चतुर्थी तिथि का मान रहेगा और मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांड का पूजन होगा।

इस बार माता का आगमन गज पर होगा और प्रस्थान मनुष्य के कंधे पर होगा। इस बार नवरात्र का योग देश और दुनिया के लिए सुखदायक है। इसके साथ ही शक्ति की आराधना का यह पर्व राष्ट्र के लिए उन्नति सूचक है। देश की संप्रभुता एवं प्रभाव बढ़ेगा।

काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पूर्व सदस्य पं. दीपक मालवीय ने बताया कि माता का गज पर आगमन और कंधे पर प्रस्थान दोनों स्थितियां शुभदायक हैं। नवरात्र में तिथि की बढ़ोतरी अच्छी मानी जाती है। देश का व्यापार बढ़ेगा, पड़ोसियों से संबंध सुधरेंगे और यह शुभ फलदायक है। ये संकेत है कि आने वाला समय सुख, समृद्धि से परिपूर्ण होगा। दो अक्तूबर को माता को विदाई दी जाएगी और विजयादशमी मनाई जाएगी। नवरात्र में मां की आराधना करने से इंसान के जीवन दुख मिट जाते हैं और उसके जीवन में सकारात्मकता के साथ ही शक्ति का संचार होता है।

प्रतिपदा पर हस्त नक्षत्र में होगी घटस्थापना

शारदीय नवरात्र की शुरूआत प्रतिपदा तिथि पर होगी। इस दिन सुबह से ही हस्त नक्षत्र लग रहा है। इस दौरान कलश स्थापना बहुत शुभकारी मानी जाती है। इसके साथ इस दिन पूरे दिन शुक्ल योग भी मिल रहा है।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

मां दुर्गा का आगमन सोमवार के दिन हो रहा है, तो इस बार उनका वाहन हाथी है। मान्यता के अनुसार मां हाथी पर आती हैं, जो सुख-समृद्धि और शांति का प्रतीक है।

शारदीय नवरात्रि तिथि

22 सितंबर : प्रतिपदा तिथि
23 सितंबर : द्वितीय तिथि
24 सितंबर : तृतीया तिथि
25 सितंबर : चतुर्थी तिथि
26 सितंबर : चतुर्थी तिथि
27 सितंबर : पंचमी तिथि
28 सितंबर : षष्ठी तिथि
29 सितंबर : सप्तमी तिथि
30 सितंबर : अष्टमी तिथि
01 अक्तूबर : नवमी तिथि
02 अक्तूबर : दशहरा

नवरात्रि के 9 दिन किस रंग के कपड़े पहनें?

हिंदू धर्म में नवरात्रि का पर्व बहुत ही पावन और शुभ माना जाता है. साल में 4 बार नवरात्रि आती है, दो मुख्य नवरात्रि- चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि- आषाढ़ और माघ के महीने में. इस साल शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, सोमवार से शुरू हो रही है और इसका समापन 2 अक्टूबर, विजयादशमी को होगा. इन नौ दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है. इसके अलावा इन दिनों में देवी के 9 स्वरूपों को समर्पित रंगों के कपड़े पहने जाते हैं.

पंचांग के अनुसार, इस साल पितृपक्ष 7 सितंबर से 21 सितंबर तक रहेगा. अब, इन दिनों में कोई भी नई चीज, खासकर कपड़े, खरीदने की परंपरा नहीं है. ऐसे में आप चाहें तो पितृपक्ष शुरू होने से पहले ही नवरात्रि की शॉपिंग कर सकते हैं. सही समय पर खरीदी गई चीजें आपके घर में शुभता और सकारात्मकता लाती हैं. आइए जानते हैं नवरात्रि के 9 दिनों में कौन-सा रंग पहनना चाहिए-

इन रंगों को ध्यान में रखते हुए आप पितृपक्ष से पहले ही शॉपिंग कर सकते हैं. इसके अलावा आप चाहें तो इन रंगों को अपने कपड़ों के अलावा घर की सजावट, पूजा स्थल और एक्सेसरीज में भी शामिल कर सकते हैं.

पहला दिन
शारदीय नवरात्रि के पहले दिन देवी शैलपुत्री की पूजा की जाती है और इस दिन नारंगी रंग पहनना शुभ माना जाता है. यह ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक है.

दूसरा दिन
नवरात्रि के दूसरे दिन देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है और इस दिन सफेद रंग पहनना शुभ माना जाता है. सफेद रंग पवित्रता और शांति का प्रतीक है.

तीसरा दिन
नवरात्रि के तीसरे दिन देवी चंद्रघंटा की पूजा की जाती है. इस दिन लाल रंग पहनना शुभ माना जाता है. लाल रंग शक्ति और साहस का प्रतीक है.

चौथा दिन
नवरात्रि के चौथे दिन देवी कूष्मांडा की पूजा की जाती है. इस दिन रॉयल ब्लू रंग पहनना शुभ माना जाता है. रॉयल ब्लू रंग आत्मविश्वास और स्थिरता दशार्ता है.

पांचवा दिन
नवरात्रि के पांचवे दिन देवी स्कंदमाता की पूजा की जाती है. इस दिन पीला रंग पहनना शुभ माना जाता है. पीला रंग खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है.

छठा दिन
नवरात्रि के छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है. इस दिन हरा रंग पहनना शुभ माना जाता है. हरा रंग समृद्धि और नई शुरूआत का प्रतीक है.

सातवा दिन
नवरात्रि के सातवे दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है. इस दिन ग्रे रंग पहनना शुभ माना जाता है. ग्रे रंग स्थिरता और संतुलन का प्रतीक है.

आठवा दिन
नवरात्रि के आठवे दिन देवी महागौरी की पूजा की जाती है. इस दिन बैंगनी रंग पहनना शुभ माना जाता है. बैंगनी रंग आध्यात्मिकता और रहस्यमय शक्ति को दशार्ता है.

नौवा दिन
नवरात्रि के नौवे दिन देवी सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है. इस दिन मोर हरा रंग पहनना शुभ माना जाता है. मोर हरा रंग सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक है.

जौनपुर के कुम्भापुर गांव में 2 सितंबर से श्रीमद् भागवत कथा

मुंबई : उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर के जमालापुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले कुम्भापुर गांव में 2 सितंबर से 8 सितंबर तक संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है इस धार्मिक आयोजन कथा वाचन का दिव्य सौभाग्य काशी धाम से पधारे ख्याति प्राप्त कथा वाचक परम में पूज्य श्री निलेश महाराज (जै वेंकटेश) को प्राप्त होगा.

कथा आयोजन समिति की प्रमुख अंतिम पांडे सुपुत्र स्वर्गीय बैजनाथ पांडे ने जानकारी दी है की कथा आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है गांव से लेकर आसपास के पूरे क्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रम को लेकर गहरी उत्सुकता और उल्लास का माहौल है मंच, पंडाल और सजावट अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप गया है.

गौरतलाप हो की निलेश महाराज का नाम आज देश के प्रमुख कथा वाचकों में शुमार है वह महाराष्ट्र सहित भारत के कई बड़े नगरों में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कर चुके हैं उनके प्रवचन और भक्ति गीत यूट्यूब चैनल और लाखों की संख्या में श्रोताओं द्वारा सुने जाते हैं उनके मुखारविंद से निकलने वाले हर शब्द को कथा प्रेमी बड़े चाव से श्रवण करते हैं

आयोजक के अनुसार प्रतिदिन कथा में संगीतमय ढंग से श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृत वर्षा होगी साथ ही भजन संकीर्तन और धर्मनीति तथा जीवन प्रबंधन पर आधारित उपदेश भी दिए जाएंगे कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से 6 बजे तक निर्धारित किया गया है महाप्रसाद एवं महा भंडारा 23 सितंबर भव्य कथा सम्पन्न होगा.

म्हाडा को बड़ी सफलता! 565 घरों के लिए 1 लाख 15 हजार 293 आवेदन प्राप्त हुए

20 प्रतिशत योजना के तहत घरों के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया

मुंबई : म्हाडा के कोंकण बोर्ड द्वारा निकाले गए ड्रॉ में निजी बिल्डरों से म्हाडा को मिली 20 प्रतिशत व्यापक आवास योजना के तहत घरों को आवेदकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। 565 घरों के लिए अब तक 1,15, 293 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसका मतलब है कि एक घर के लिए 200 से ज्यादा आवेदक प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये घर ठाणे, डोंबिवली, टिटवाला, कल्याण और नवी मुंबई जैसे विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं और इन घरों की कीमत 9 लाख 55 हजार रुपये से लेकर 33 लाख 55 हजार रुपये तक है।

कोंकण मंडल के 5,285 घरों में से, 20 प्रतिशत व्यापक योजना के तहत कुल 565 घर, 15 प्रतिशत एकीकृत शहर आवास योजना के तहत 3002 घर, म्हाडा कोंकण मंडल आवास योजना और बिखरे हुए घरों के तहत 1677 घर और 50 प्रतिशत योजना के तहत 41 घर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। 5,285 घरों के लिए अब तक डेढ़ लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदकों का रुझान खास तौर पर 20 प्रतिशत व्यापक योजना के तहत घरों की ओर दिखाई दे रहा है।

नवी मुंबई के घरों को प्राथमिकता

इस साल लॉटरी में नवी मुंबई के घरों को शामिल किए जाने से आवेदकों की संख्या में बढ़ोतरी की चर्चा है। दीघा में अति निम्न आय वर्ग के लिए सिर्फ. 18 लाख 59 हजार रुपये में एक घर है और यहाँ 112 घर बिक्री के लिए हैं। इसके अलावा, नवी मुंबई में नेरुल, सानपाड़ा, घनसोली जैसे प्रमुख स्थानों पर घर उपलब्ध हैं।

दक्षिण मुंबई में म्हाडा की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं सात प्रस्ताव ; निवासियों को मिलेंगे 550 वर्ग फुट के घर

मुंबई : महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने दक्षिण मुंबई में खतरनाक, जर्जर और अव्यवहार्य इमारतों के समूह पुनर्विकास के लिए सात प्रस्ताव तैयार किए हैं और इस योजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार, म्हाडा ने निवासियों को 550 वर्ग फुट के घरों की पेशकश की है।

ये प्रस्ताव सरकार को मंजूरी के लिए भेजे गए हैं और अगर मंजूरी मिल जाती है, तो लगभग साढ़े तीन हजार

म्हाडा उस डेवलपर के प्रस्ताव को मंजूरी देता है जो फ्लैटों के रूप में सबसे ज्यादा क्षेत्रफल की पेशकश करता है

इस पुनर्विकास परियोजना को खुली निविदा के माध्यम से करने का प्रस्ताव है। ये सभी योजनाएँ व्यवहार्य हैं और उपलब्ध क्षेत्रफल में से म्हाडा को फ्लैटों के रूप में सबसे ज्यादा क्षेत्रफल की पेशकश करने वाले डेवलपर के प्रस्ताव को मंजूरी देने का प्रस्ताव है। इसके लिए, म्हाडा को एक विशेष योजना प्राधिकरण के रूप में मंजूरी देने का भी प्रस्ताव है।

भवनों का पुनर्विकास

निम्नलिखित पुनर्विकसित इमारतों का संयुक्त समूह है (कोष्ठक में किरायेदारों की संख्या) सुखसागर, पावनछाया, सुयश, मंगलमूर्ति, गणेशकृपा, साईं सदन सिद्धिविनायक आदि, राजाभाऊ देसाई मार्ग, माहिम (875), खेड़गल्ली और अन्य छोटी इमारतें, दादर पश्चिम (664), कादरी हवेली, सकरबाई धनजी चॉल, नगरपालिका टीपी प्लॉट, सिद्धिप्रभा, उर्वशी ए और बी गणेश निवास आदि। (461), बोतावला चॉल समूह, दादर पश्चिम (265), छपरा, मोहसिन, कुलश्री, सीता स्मृति, गणेश, सौदामिनी, मेघ, वरुण, राम भुवन, आकांक्षा, गुरुकृपा, अब्दुल रहमान आदि, प्रभादेवी (527), पुरूषोत्तम वाडी, जनार्दन अपार्टमेंट, दादर पश्चिम (310), खंडके वाडी चॉल, दादर पश्चिम (407)।

दक्षिण-मध्य मुंबई में 1940 से ज्यादा इमारतें म्हाडा को भेजें

दक्षिण और मध्य मुंबई में 1940 से बनी 13 हजार से ज्यादा इमारतें हैं। इनमें से कई इमारतों का अलग-अलग पुनर्विकास करना असंभव है। उपमुख्यमंत्री और आवास मंत्री एकनाथ शिंदे ने इन इमारतों के समूह पुनर्विकास प्रस्ताव उपकरित, गैर-उपकरित, पुनर्निर्मित, प्रधानमंत्री अनुदान योजना के तहत सरकार को भेजने का आदेश दिया था। तदनुसार, म्हाडा ने अब तक सात समूह पुनर्विकास प्रस्ताव तैयार कर सरकार को अनुमोदन के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट भेजी है।

म्हाडा के उपाध्यक्ष और सीईओ संजीव जायसवाल ने बताया कि इन सात पुनर्विकास प्रस्तावों से म्हाडा को लगभग 16 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा और शुद्ध लाभ 4 हजार करोड़ रुपये होगा।

अनधिकृत बाइक टैक्सियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी: परिवहन मंत्री

मुंबई : राज्य सरकार ई-बाइक टैक्सी नीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इसके अनुसार, संबंधित संगठनों को लाइसेंस प्राप्त करके अपनी ई-बाइक टैक्सी सेवाएँ शुरू करनी चाहिए। हालाँकि, रैपिडो, ओला, उबर जैसी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, जो सरकार के आदेश के बावजूद बिना लाइसेंस के अवैध रूप से बाइक टैक्सी सेवाएँ चला रही हैं, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया।

मंत्री सरनाईक ने कहा कि कई शिकायतें मिली हैं कि मुंबई महानगर क्षेत्र में बिना लाइसेंस के बाइक टैक्सी एग्रीगेटर सेवाएँ जारी रखी जा रही हैं। सरकार ने लाइसेंस प्राप्त होने तक ऐसी सेवाओं को बंद करने का आदेश दिया है, और संबंधित एग्रीगेटर कंपनियों ने एक हलफनामा भी प्रस्तुत किया है। हालाँकि, यह देखा गया है कि आदेश प्राप्त होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन करते हुए सेवाएँ जारी रखी जा रही हैं। इस संबंध में दायर जनहित याचिका पर वर्तमान में बॉम्बे उच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है। ई-बाइक टैक्सी एग्रीगेटर नीति को अंतिम रूप देने की फाइल सरकार के विधि एवं न्याय विभाग द्वारा विचाराधीन है। सरनाईक ने कहा कि इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी : **दिनेश सिंह** के लिए मुद्रक-प्रकाशक-संपादकः **दिनेश सिंह** द्वारा **सुविज्जा प्रिंटर्स**, प्लॉट नं. १७/२-५ मार्शल वाल पेपर निकट, व्हाइट हाउस के बगल में, कोपरखैरने, एमआईडीसी, नवी मुंबई, ठाणे-४००७०५ से मुद्रित व ३०२-ए, प्रथमेश अपार्टमेंट, सेक्टर-९, ऐरोली, नवी मुंबई, जिला ठाणे- ४०० ७०८ से प्रकाशित,
Email: dinesh.singh2879@gmail.com आरएनआई नं. MAHHIN/2015/65092, **संपादकः दिनेश सिंह**, संपर्क सूत्रः ८३६९३०२८१४
कार्यालय पता : ओमसाईं टॉवर, ए प्लाट, शॉप नंबर 6, अम्बरनाथ (पूर्व) थाना - 421501